वीडियो संस्थागत परिवर्तन की ओर ले जाते हैं

प्रभाव अध्ययन 6

परिचय

वीडियो न केवल किसानों को नई तकनीकों का आविष्कार करने के लिए प्रेरित करते हैं; वे किसानों और गैर सरकारी संगठनों के बीच संस्थागत परिवर्तन को बढ़ावा दे सकते हैं, जैसा कि इन अध्ययनों में देखा गया है।

गर्म चावल पारबोइलेर से ताजा। एक वीडियो ने महिलाओं को कार्य समूह बनाने में मदद की, आदान प्रदाताओं और बाजारों के साथ उनके संबंधों को मजबूत किया, जिससे बेहतर आय हुई

पहला अध्ययन: महिलाएं समूह बनाती हैं

शोधकर्ताओं ने मध्य बेनिन में 160 महिलाओं का साक्षात्कार लिया। चावल पारबोइलिंग पर एक किसान-से-किसान वीडियो देखने के बाद, महिलाएं पारबोइल चावल के लिए बहुत अधिक प्रेरित हुईं। कुछ ने पहली बार पारबोइल चावल बनाना शुरू किया। दूसरों ने पहले की तुलना में अधिक चावल पारबोइल किये और वे सभी अधिक उत्साही थी । 80% महिलाओं ने बाद में पारबोइल चावल बनाने के लिए समूह बनाए.

(गैर-सरकारी संगठनों की मदद से), जबकि केवल आधी महिलाएँ जिन्होंने वीडियो नहीं देखा, समूह बनाए। दो साल बाद भी अधिकांश समूह अभी भी कार्य कर रहे थे।

गैर सरकारी संगठनों ने भी उनके नज़रिया और व्यवहार को बदल दिया। ग्रामीणों का वीडियो प्रति अत्यधिक लगाव देखने के बाद, एनजीओ ने गांवों में अधिक ड्रॉइंग, फोटो और वीडियो दिखाना शुरू किया । जैसे-जैसे महिलाओं ने अधिक पारबोइल चावल (और उच्च गुणवत्ता के) बनाना शुरू किया, गैर-सरकारी संगठन महिलाओं को ऋण प्राप्त करने में मदद करने के इच्छुक हो गए, और चावल के लिए खरीदार ढूंढने लगे।

दूसरा अध्ययन: पूंजीगत लाभ

144 महिलाओं का साक्षात्कार लिया गया, समान रूप से तीन समूहों में विभाजित किया गया: एक जिसने पारबोइल चावल वीडियो देखा था, उसी गाँव के अन्य लोग जो नहीं देखा और नियंत्रण वाले गाँवों से एक तिहाई। वीडियो देखने वाले लोगों ने कहा कि उन्होंने अपनी पूंजीगत संपत्ति (सामाजिक, वित्तीय, मानव और भौतिक) में सुधार किया है। उनके पड़ोसियों ने जो वीडियो नहीं देखे थे, उनमें भी सुधार देखा गया था, लेकिन केवल लगभग आधा ही था। उन्होंने अपने पड़ोसियों से पारबोइल के बारे में सीखा था, और समूहों में भी शामिल हुए थे। नियंत्रण गांवों में महिलाओं ने सुधार नहीं देखा।

जिन महिलाओं ने वीडियो देखा था, उन्होंने समूहों में बेहतर काम करना शुरू किया और उन्होंने स्थानीय साहूकारों के साथ संबंध मजबूत किये जो उन्हें उधार पर धान बेचने के लिए सहमत हुए। गैर सरकारी संगठनों के समर्थकों के सहयोग से, महिलाओं समूहों ने शुल्क पर दूसरों के लिए चावल पारबोइल करना शुरू कर दिया, पारबोइल चावल को पैकेज किया और अपने उत्पादों को लेबल किया। पारबोइल चावल की बेहतर गुणवत्ता ने ग्राहकों को आकर्षित किया और अधिक मांग पैदा की। महिलाओं ने अधिक पैसा कमाया और मोबाइल फोन खरीदने में सक्षम हुई।

Contact: Paul Van Mele | paul@agroinsight.com

TO CITE THE ARTICLES:

Zossou, Espérance, Paul Van Mele, Simplice D. Vodouhe & Jonas Wanvoeke 2010 Women groups formed in response to public video screenings on rice processing in Benin. *Int. J. of Agricultural Sustainability* 8(4): 270–277.

Zossou, E., P. Van Mele, J. Wanvoeke & P. Lebailly 2012 Participatory impact assessment of rice parboiling videos with women in Benin. *Experimental Agriculture* 48(3): 438–447.

AccessAgriculture

AGROinsight communicating agriculture

Summary and photo by Jeff Bentley